भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2851
दिनांक 18 अगस्त 2025

सिक्किम में पाइपलाइन के माध्यम से घरों तक गैस आपूर्ति की योजना

2851 **श्री दोरजी त्शेरिंग लेप्चाः**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सिक्किम राज्य में सरकार द्वारा पाइपलाइन के माध्यम से घरों तक गैस आपूर्ति करने की योजना की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) क्या सिक्किम संसदीय क्षेत्र के हिमालयी क्षेत्रों में गैस पाइपलाइन बिछाने में आ रही समस्याएं सरकार के संज्ञान में हैं;
(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(घ) सिक्किम राज्य में गैस पाइपलाइन का कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ) पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन प्रदान करना शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विकास का हिस्सा है। यह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा प्राधिकृत कंपनियों द्वारा उनके न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) लक्ष्यों के अनुसार किया जाता है। पीएनजीआरबी ने सिक्किम राज्य भौगोलिक क्षेत्र (जीए) में सीजीडी नेटवर्क के विकास के लिए 2024 में सीजीडी बोली के 12वें दौर के तहत मेसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को प्राधिकृत किया है। एमडब्ल्यूपी लक्ष्यों के अनुसार, एचपीसीएल को जून 2032 तक 1,77,399 पीएनजी (घरेलू) कनेक्शन प्रदान करने और 45 सीएनजी स्टेशन स्थापित करने हैं। यह एक नया प्राधिकृत जीए है और पीएनजी(डी) कनेक्शन या सीएनजी स्टेशनों को कमीशन करने का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। इसके अलावा, प्राकृतिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, पीएनजीआरबी ने मेसर्स इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल) को असम, मिजोरम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय और सिक्किम को जोड़ने वाली पूर्वोत्तर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड (एनईजीजी) बिछाने, निर्माण, प्रचालन और विस्तारण के लिए प्राधिकृत किया है। पीएनजीआरबी ने आईजीजीएल द्वारा एनईजीजी के पूरा होने की समय-सीमा दिनांक 31.03.2026 तक बढ़ा दी है।

आईजीजीएल ने सिलीगुड़ी और गंगटोक को जोड़ने वाली 195 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है (जिसमें से लगभग 15.5 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है)। हालाँकि, आईजीजीएल ने बताया है कि उन्हें कुछ समस्याओं जिनमें स्थानीय लोगों द्वारा मार्गाधिकार में उच्च मुआवजे की मांग के कारण आने वाली बाधाएँ, सुरक्षा संबंधी चिंताएँ और एनएच 717ए पर बागराकोट से गंगटोक के बीच पहाड़ी इलाकों में पाइपलाइन बिछाने में तकनीकी कठिनाई, लगातार भूस्खलन और पाइपलाइन मार्ग में धंसाव क्षेत्र आदि शामिल हैं, का सामना करना पड़ रहा है जिससे कार्य की प्रगति प्रभावित हुई है।

हालाँकि, आईजीजीएल इन मुद्दों को सुलझाने के लिए संबंधित सरकारी अधिकारियों के साथ नियमित रूप से बातचीत/समन्वय कर रहा है। भारत सरकार भी इन मुद्दों के समाधान के लिए हितधारकों के साथ निरंतर समीक्षा/समन्वय कर रही है।

*****